नौबत बाज रही | Shivani Jha

नाचत कूदत गोपी ग्वाल सब
चहुँ दिशि सब जग है खुशहाल
जय जयकार भई गोकुल में
नन्द के घर प्रगटयो नन्द लाल

नन्द बाबा के द्वारे आज नौबत बाज रही
बाज रही हाँ बाज रहीम बाज रही हाँ बाज रही
लाला को जनम भयो आज नौबत बाज रही

गोपी ग्वाल सब नाचे गावे
ब्रह्मा देख देख ललचावे
माँ यशोदा लड़ावे लाड नौबत बाज रही
नन्द बाबा के द्वारे आज नौबत बाज रही

नन्द बाबा फूले न समावे
अन्न धनं के भण्डार लुटावे
लुटावे नौलखा हार बत नौबत बाज रही
नन्द बाबा के द्वारे आज नौबत बाज रही

सांवली सूरत लट घुंघराली
अंखियन कजरा होठन लाली
मारे किलकारी नन्द लाल नौबत बाज रही
नन्द बाबा के द्वारे आज नौबत बाज रही

सरस बिहारी बलि बलि जावे
कृष्ण जनम की बधाई गावे
जागे सकल जगत के भाग नौबत बाज रही
नन्द बाबा के द्वारे आज नौबत बाज रही

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a5%8c%e0%a4%ac%e0%a4%a4-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%9c-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%80-shivani-jha/